

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से

चित्तौड़गढ़/गंगरार मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित “ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अंशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से

**14-15 अक्टूबर को
आयोजित होने वाली
राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के
जाने-माने विशेषज्ञ करेंगे
शिरकत**

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित “‘ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय’’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने

वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में विकास मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना विकास करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षकों सहित देशभर से विभिन्न प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

मेवाड़ विवि ने दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार, 13 अक्टूबर (जसं.)

। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित 'ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को किया जायेगा।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना है। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना शिक्षक रत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद् भाग लेंगे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़
विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से
14-15 अक्टूबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी
में देश के जाने-माने विशेषज्ञ करेंगे शिरकत
न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित “ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में षिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना षिकरत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षकों सहित देशभर से विभिन्न प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन हुआ शोध की गुणवत्ता पर विमर्श

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का पहला दिन रहा शोध सुधारों के नाम

शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आना होगा
आगे: प्रवीर सक्सेना

राजस्थान दर्शन

चिन्तौड़गढ़/गंगारार(अमित कुमार चेचानी)। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बताए मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कही। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'कुलपति प्रो० आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों



को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पट्टनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। प्रथम तकनीकी सत्र में इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा केंद्रों की आवश्यकता है। मोदी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एनके माहेश्वरी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया। वनस्थली विद्यापीठ टोक के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित नैक के बेस्ट प्रैक्टिसेज फेमवर्क की व्याख्या की। उन्होंने बेस्ट प्रैक्टिसेज के क्षेत्र में नवाचारों की बात की। दूसरे तकनीकी सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षाविदों के बीच

अनुसंधान एकीकरण पर जोर दिया। मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत ने उच्च शिक्षा में ट्राई लैंगेज फॉर्मूला के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आगे कहा कि अनुसंधान के साथ-साथ शैक्षिक सुधारों में उत्कृष्टता के लिए अकादमी जगत के साथ उद्योगों के सहयोग की भी आवश्यकता है। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ० हरि सिंह चैहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो० चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक वंदना चुण्डावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ० जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ० गुलजार अहमद ने किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो० एस. सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ० प्रमोद मेहता, डॉ० सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ० एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन हुआ शोध की गुणवत्ता पर विमर्श

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का पहला दिन रहा शोध सुधारों के नाम, शोध के लिए कॉरपोरेट फडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा आगे: प्रवीर सवसेना

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरारा। शोध के लिए कॉरपोरेट फडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सवसेना ने कही। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान



के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'कुलपति प्रो० आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहाते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण

उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पट्टनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। प्रथम तकनीकी सत्र में इंस्टीट्यूट ऑफ

एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा केंद्रों की आवश्यकता है।

मोदी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एनके माहेश्वरी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया। वनस्थली विद्यापीठ टॉप के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित नैक के बेस्ट प्रैक्टिसेज फ्रेमवर्क की व्याख्या की। उन्होंने बेस्ट प्रैक्टिसेज के बेत्र में नवाचारों की बात की। दूसरे तकनीकी सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षाविदों के बीच अनुसंधान एकीकरण पर जोर दिया। मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत ने उच्च शिक्षा में ट्राई लैंगेज फॉर्मूला के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आगे कहा कि अनुसंधान के साथ-साथ शैक्षिक

सुधारों में उल्कृष्टता के लिए अकादमी जगत के साथ उद्योगों के सहयोग की भी आवश्यकता है। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ० हरि सिंह चैहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो० चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक बैंदन चुणावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ० जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ० गुलजार अहमद ने किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वजकर्ता शर्मा, डीन एप्रीकल्चर प्रो० एस. सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ० ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ० प्रमोद मेहता, डॉ० सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ० एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभाषी अॅनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता पर संगोष्ठी

शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग व उद्योगों को आगे आना होगा: सक्सेना

गंगरार, 14 अक्टूबर (जस.)। शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा, विश्वविद्यालय के साथ देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिबान विश्वविद्यालयों को नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट सेक्यूरिटी को भी समाज को खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यावरण परिषद् द्वारा प्रायोगित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोगित दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक-संगोष्ठी के पहले दिन चतुर्थ मुख्य बक्सा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रबोर मध्यसंसद ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम की डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाभिषित ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुसूची विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ावा दें।



युक्त शिक्षा और शोध प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के केवल ग्राम्यान्वयन के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है, बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिये पूरी तरह से प्रयासरत है। यहाँ तक कि विदेशों से आए गरीब छात्र भी मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रयासों का लाभ पा रहे हैं।

कलापति प्रो. अलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध

के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ावा दें।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकों के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम मुंदर पटनायक ने भविष्य के गैरीक एवं देश भर से प्रतिबानी और नियन्त्रण माध्यम से जड़े रहे।

घर्षण में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत अवधारणा है। इसके साथ ही उन्होंने योजना आधारित प्रोजेक्ट अभियंग तथा बहु-संस्थागत परियोजना को नई गैरिक दुनिया के लिए एक गुणवान्श बताया। अत भी उन्होंने कहा कि विचार और विचार का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है, धन नहीं।

संगोष्ठी को अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह, जयपुर के प्रो. एनके माहेश्वरी, बनस्थली विद्यालय से प्रो. हर्ष परोहित, मंगलवार विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत, डॉ. हरि सिंह चौहान, प्रो. चेताली अग्रवाल आदि ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी समन्वयक बैठना चूण्डावत ने सभ का पारिचय, स्वागत आईवैश्वासी समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने स्वागत तथा डॉ. गुलजार अहमद ने सभी धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक बैठना वर्दानी ने बैठक की कार्य प्रणाली की जानकारी दी।

इस दौरान सभी सदस्यों ने बैठक की

संविधान अधिकारियों ने उपरान्त अधिकारी द्वारा नियन्त्रण के लिए सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक बैठना वर्दानी ने बैठक की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। इस दौरान सभी सदस्यों ने बैठक की संविधान अधिकारियों ने उपरान्त अधिकारी द्वारा नियन्त्रण के लिए सभी सदस्यों का स्वागत किया।

पंचायत समिति की बैठक तों छाया सड़कों का तादा



में भी उन्होंने जानकारी प्राप्त की। सभी सदस्य दोपहर बैठक में पहुंचे और करीब 1 घंटे तक बैठक की कार्य प्रणाली को देखा। बैठक में पहुंचने पर बैठक की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। आईएम सेटिया और पूर्व नेयरपर्सन विमला सेटिया, प्रबन्ध निदेशक बन्दना वर्दानी, जेपी जोशी, राजेश अक्षय, संजय बुमार शर्मा, अभिषेक टेलर सहित अन्य अधिकारियों ने उपरान्त ओद्योग सभी सदस्यों का स्वागत किया।

मेवाड़ हलचल

मेवाड़ विधि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

शिक्षक वहीं हैं जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करें: प्रो. पी. प्रकाश

गंगारार, 15 अक्टूबर (जसं.)। शिक्षक वही हैं जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करें।

उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही विभिन्न प्रकार के फैलोशिप कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एमडी जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की



भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च-डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चुअल लैब्स पर ध्यान देने की जरूरत बताई। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजीनियरिंग

संकायाध्यक्ष डॉ. एआर राजा ने की।

चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों-शोधार्थियों के सम्बन्धों पर विचार रखते हुए प्रो. वाणी लातूरकर ने कहा कि संस्थानों को शोधार्थियों के साथ पितृवत् व्यवहार बनाये रखना चाहिए जिससे कि वे रचनात्मकता के साथ शोध में अपना शत-प्रतिशत दे सकें। प्रो. वेंकट वीपी आरपी ने नैक मूल्यांकन के

महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षकों को निरन्तर पब्लिकेशन, पेटेन्ट और शोध के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रो. के झांसी रानी ने शिक्षा और शोध में आने वाली चुनौतियों और उसकी तैयारियों के बारे में अपनी बात रखी। चौथे सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के रिसर्च एथिकल कमेटी के वाइस चेयरमैन डॉ. गुलजार अहमद ने की। पाँचवे सत्र में प्रो. मीना कपाही ने नैक मूल्यांकन के रोडमैप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसार अहमद ने की।

इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी. रमेया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चुण्डावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

चित्तौड़गढ़/गंगरार शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चूअल लैब्स पर ध्यान देने की जरूरत बताई।

शिक्षक वही हैं जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करें : प्रो. पी. प्रकाश

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होंगे शोध उच्चानुशीलन केंद्र : प्रो. वाणी लातुरकर

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। शिक्षक वही हैं जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करें। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बताएं मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरोब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी



सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाइन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूक्स कोर्स,

ई-लाईब्रेरी, बर्चूअल लैब्स पर ध्यान देने की जरूरत बताई। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष डॉ. ए. आर. राजा ने की।

चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों-शोधार्थियों के सम्बन्धों पर विचार रखते हुए प्रो. वाणी लातुरकर ने कहा कि संस्थानों को शोधार्थियों के साथ पितृवत् व्यवहार बनाये रखना चाहिए जिससे कि वे रचनात्मकता के साथ शोध में अपना शत-प्रतिशत दे सकें। प्रो. वेंकट

वी.पी.आर.पी ने नैक मूल्यांकन के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षकों को निरन्तर पब्लिकेशन, पेटेन्ट और शोध के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रो. के. झांसी रानी ने शिक्षा और शोध में आने वाली चुनौतियों और उसकी तैयारियों के बारे में अपनी बात रखी। चौथे सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के रिसर्च एथिकल कमेटी के वाईस चेयरमैन डॉ. गुलजार अहमद ने की।

पाँचवे सत्र में प्रो. मीना कपाही ने नैक मूल्यांकन के रोडमैप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसार अहमद ने की। इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में नेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी. रमेया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की समन्वयक बन्दना चूण्डावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विवि. के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होगे शोध उच्चानुशीलन केन्द्र

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
का समापन

गंगरार। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। यह विचार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के



कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो.

एम.डी. जागीरदार ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ. ए. आर. राजा, प्रो. वाणी लातूरकर, डॉ. गुलजार अहमद, प्रो. मीना कपाही, डॉ. एसर अहमद, प्रो. पी. रमेया, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने विचार व्यक्त किए। संचालन संगोष्ठी की समन्वयक बन्दना चूण्डावत ने किया।

मेवाड़ विवि ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार, 13 अक्टूबर (जस.)

। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित 'ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को किया जायेगा।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना है। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना शिक्षक रहेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद् भाग लेंगे।

Janmeyak

Date: 14/10/22

page: 03

राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 14-15 अक्टूबर को होगी। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक, मुख्य वक्ता शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना होंगे। संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद् भाग ले रहे हैं।

Dainik Navayogi

Date: 14/10/22

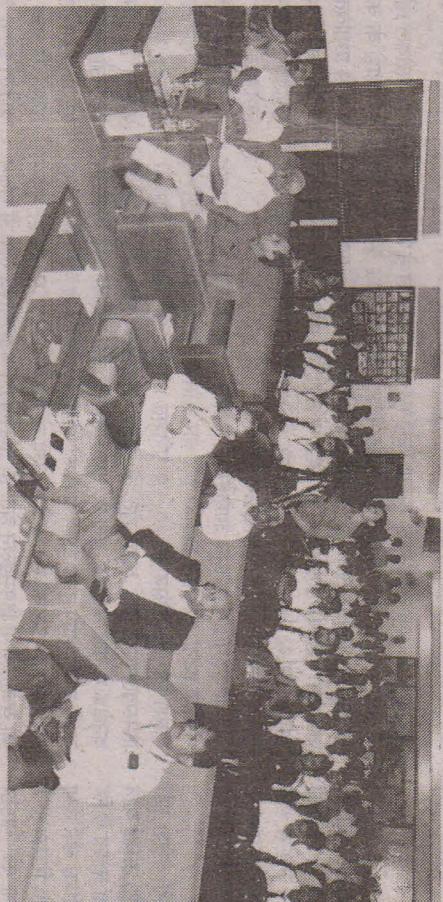
page: 05

तेवाइ विश्वविद्यालय में गोद की गुणवत्ता पर संगोष्ठी गोद के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग ह उद्योगों को आगे आना होगा: संपर्देना

गोदार, 14 अक्टूबर (जस)। शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा। कर्मोंक साकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट खेत्रों को भी समाज की छातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए कंडिंग की फहल करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रश्नावन परिषद् द्वारा प्रयोगीज नेवाइ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय बैच-संगोष्ठी के फहले दिन बातों मुख्य बताए शिक्षा मन्त्रालय भारत सकार के अपर सचिव प्रबार सक्षमता ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए जन के यथा एवं प्रश्नावन को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मनवाड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नेक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मोदा विश्वविद्यालय की युक्ति शिक्षा और शोध प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल राजस्थान के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है, बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिए पूरी तरह से प्रयत्नत है यहाँ तक कि विदेशों से आए गरीब जन भी मोदा विश्वविद्यालय के प्रयासों का लाभ पा सके।

मोदा विश्वविद्यालय के बाबत गोद की गुणवत्ता पर संगोष्ठी के बाबत ग्रामीण क्षेत्रों में कम लात में उच्च गुणवत्ता



वर्ल्ड में अगली पढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय, बहुविधी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत अवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने योजना आधारित प्रोजेक्ट अंगिरा तथा बहु-सम्प्रभावी परियोजना को नई शैक्षणिक दुर्दिया के लिए एक जुँझाई बताया। अंत में उन्होंने कहा कि विचार और विचार का कार्यालय महत्वपूर्ण है, जिन नहीं।

संगोष्ठी को अल्टाइव के प्रोफेसर योन्द पाल सिंह, जयपुर के प्रो. एनके माहेश्वरी, वनस्थली विद्यालय से प्रो. हर्ष पुष्पित, मालायतन विश्वविद्यालय के डीन-सिर्विस प्रो. रमेश कात, डॉ. डीप सिंह चौहान, प्रो. चौलाली अवाल आदि ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी समन्वयक बंदन चुम्जड़वत ने सभा का परिचय, स्वागत आईकॉम्पो समन्वयक डॉ. जितेन्द्र के श्रेष्ठ में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि लम्बे नित्य इसी प्रयास में है कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान-पर आधारित शोध निदेशक व्यवस्था की तीव्री रखा जाए। इस अवसर पर अकादमिक व्यवस्था, डॉ. इंजीनियरिंग डॉ. एआर राजा, कार्यक्रम उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. राधाम सुदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक मानोदल के संस्कृत सचिव डॉ. प्रमद मेहता, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. एसर अहमद, बीपल पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभावी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

Jannayak

Date : 15/10/22
Page : 04

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भ

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा, सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त विचार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने व्यक्त किये। उहनें आगे कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय केवल राजस्थान के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिये पूरी तरह से प्रयासरत है। कुलपति प्रो आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताइ। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया।

pratankal

Date : 15/10/22

page : 10

संगोष्ठी में शोध की गुणवत्ता पर विचार-विमर्श

गंगरार। शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना, अनुसंधान के लिए सीमित धन है। उक्त बारें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतार मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कही। कुलपति प्रो आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को बताया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक थे। इंटीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया। मोटी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एम्से माहेश्वरी, बनस्थली विद्यापीठ टोक के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित, जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा, मंगलायतन विश्वविद्यालय के डॉन-रिसर्चर प्रो. रविकांत ने भी विचार व्यक्त किए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ हरि सिंह चौहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक बंदन चूण्डावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के सेयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईकूएसी समन्वयक डॉ जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ गुलजार अहमद ने किया। अकादमिक निदेशक ध्वजकर्ति शर्मा डॉन एग्रीकल्चर प्रो एस. सुर्दर्शन, डॉन इंजीनियरिंग डॉ. ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ प्रोफेसर मेहता, डॉ सुमित्र कुमार पाण्डेय, डॉ एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

Dainik Navayogi

Date : 15/10/22

page : 09

नैवाड़ विति नैं दो विद्यार्थीय दाद्दीय संबोधी का सनापन

टिक्कक पही है जो विद्यार्थीयों में जवाहर का प्रसाद करे: प्रो. पी. प्रकाश



गांगराट, 15 अक्टूबर (जस.)। शिक्षक बड़ी है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। उक्त बातें गणीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद् द्वारा प्रयोगित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय गणीय बैब-सोंगोष्ठी के समापन समारोह में बतार मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर युक्त विश्वविद्यालय हैरानबाद के पूर्व कुलपति ग्राहनर पी. प्रकाश ने कही। उहनें मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गणीय विद्यार्थियों के लिये मुल्लभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों की साझाहना की। साथ ही विभिन्न प्रकार के फैलातिशप कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। समापन समारोह कीति शर्मा ने को समापन समारोह को मेवाड़ भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक कुमार गादिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने भी सम्बन्धित किया। इसके पूर्व गणीय संघों के नेतृत्व में प्रो. एमडी जागरूदार ने नेक मूल्यांकन की तैयारियों के महनजर विचार खत्ते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शाख को बढ़ावा देने के लिए मीड मनी की

विद्यार्थियों में आयोजन, भरोन भरोन नेक कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च एवं एकल करना चाहिए। डॉ. के अनुराधा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गुलजार अहमद ने को। पाँचवे सत्र में गो. मीना कपवाही ने नैक मूल्यांकन के गोडमप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसर अहमद ने की। इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में संपूर्ण रूप से आयोजित किया। डॉ. सेया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो संकायाध्यक्ष डॉ. एआर गजा ने को। चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और विद्यकों डॉ. श्याम सुरदर शर्मा ने ऑनलाइन संसाधनों के अपेक्षा पर विचार रखते हुए शोधार्थियों के सञ्चालन पर विभाग ने प्रस्तुत की।

प्रो. वाणी लालूकर ने कहा कि संस्थानों को विद्यार्थीय गणीय सोंगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट प्रकारिति विभागाध्यक्ष डॉ. मुमित कुमार प्राप्त होनी चाहिए। डॉ. वाणी लालूकर ने कहा कि संचालन सोंगोष्ठी की समावयक वन्दना नूपुरवत ने किया तथा धन्यवाद विभाग सोंगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विश्वविद्यालय के आई.बी.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

Jannayak

Date : 16/10/22
page : 06

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होगे शोध उच्चानुशीलन केन्द्र

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
का समापन

गंगरार। शिक्षक वही हैं जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। यह विचार राष्ट्रीय सूचीकृत एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रयोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रेफेसर पी. प्रकाश ने कही। अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के



कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो.

एम.डी. जागीरदार ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेंट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ. ए. आर. राजा, प्रो. वाणी लातूरकर, डॉ. गुलजार अहमद, प्रो. मीना कपाही, डॉ. एसार अहमद, प्रो. पी. रमेया, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने विचार व्यक्त किए। संचालन संगोष्ठी की समन्वयक बन्दना चूंडावत ने किया।

Dainik Navayogi

Date: 16/10/22

page: 08